Prof. Manish Kumar Verma
(Head)
Department of Sociology
School for Social Sciences
BabasahebBhimraoAmbedkar
University,
Lucknow, Uttar Pradesh

Dr. Brajesh Kumar
Assistant Professor
Department of Sociology
School for Social Sciences
BabasahebBhimraoAmbedkar
University,
Lucknow, Uttar Pradesh

आभार

प्रस्तुत **लघु शोध** **''प्राथमिक शिक्षा में बालिकाओं के ड्रापआउट की समस्या : लखनऊ जिले के दो** गॉवा **का समाजशास्त्रीय अध्ययन''** विषय पर मेरे षोध करने का उद्देष्य लखनऊ जिले के दो गॉवों–गौरा तथा मोहारीकॅला में प्राथमिक षिक्षा में बालिकाओं के ड्रापआउट की समस्या को ज्ञात करना है। मेरे इस षोध कार्य में आदरणीय गुरूजन, परमपूज्य माता–पिता, भाई एवं इष्ट मित्रों का साझा योगदान व सहयोग प्राप्त होता रहा है। मैंने इन सब के प्रति कृतज्ञता व्यक्तकर ऋण मुक्त नहीं होना चाहती हूँ लेकिन आभार प्रस्तुत करने की परम्परा को त्यागकर मैं इस चली आ रही इस परम्परा का अनादर भी नहीं कर सकती।

'षोद्यार्थी इस षोध कार्य व विषय चयन के लिए प्रेरित व निर्देषित करने वाले परम श्रद्धेयषिक्षक डा. ब्रजेष कुमार जी की सदैव ऋणी रहुँगी, जिनके कुषल निर्देषन में मेरी षोध यात्रा बिना किसी

व्यवधान के अनवरत चलती रही। आपके विद्वता पूर्ण मार्गदर्षन व स्नेहपूर्ण व्यवहार के फलस्वरूप ही मैं यह षोध कार्यपूर्ण कर सकी हूँ। आपकी अति व्यस्तताओं के बावजूद भी हर कठिन परिस्थितियो म मुझे आपने सही रास्ता दिखाया। षोधार्थी आपकी सदैव ऋणी रहेगी।

आदरणीय विभागाध्यक्ष **प्रो. मनोष कुमार वर्मा, संकायध्यक्ष प्रो.कामेश्वर चौधरी, प्रा. बिभूती भूषण मलिक, डा. बीरेन्द्र नारायण दुबे, डा. जया श्रीवास्तव, डा. ब्रजेश कुमार, समाजशास्त्र विभाग** आदि लोगों का समय–समय पर प्रेरणा पूर्ण मार्गदर्षन व अपेक्षित सहयोग, बहुमूल्य परामर्ष मिला। जिसके लिए आप सभी का मै हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ।

मैं अपनी परमपूज्य माता **श्रीमती सुषमा यादव** एवं पूज्यनीय पिता **श्री कमलेश यादव** तथा अपने अग्रज **भाई अमित गौरव, अनुज भाई अभिषेक गौरव बहन इन्दु, भाभी साधना यादव** एवं अपने इष्ट मित्रों **दीप्ती सिंह, रानु धारीवाल, कुमूद सिंह, सुनीता यादव,** का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होनें बिना किसी षर्त एवं बिना स्वार्थ के मेरा सहयोग किया और मेरा विष्वास एवं आत्मबल का विचलित नही होने दिया।

षोधार्थी के इस कार्य को पांडुलिपि में पूर्ण कराने में सुनीता भारती, पूजा सिंह, सबीना सुब्बा, रेषमी लिम्बू एवं समाजषास्त्र के

समस्त मित्रों को जिन्होनें समय–समय पर अपना बहुमूल्य समय और सुझाव दिया मैं उन सभी का सहृदय से अभार प्रकट करती हूँ एवं ऑफिस कार्य को पूर्ण करने में ऑफिस असिस्टेंट अजय जी को भी मैं सहृदय से आभार प्रकट करती हूँ।

तथ्यों का संकलन करने हेतु टैगोर पुस्तकालय लखनऊ, गिरी इन्स्टीयूट ऑफ डेवलेपमेन्ट स्टडीज लखनऊ, षकुन्तला विष्वविद्यालय लखनऊ एवं बी0बी0ए0यू0 केन्द्रीय विष्वविद्यालय लखनऊ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति मैं सहृदय आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होनें इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु सहयोग प्रदान किया।

अन्ततः सभी गुरूजनों व मित्रों एवं सगे सम्बन्धियों के प्रतिपुनः श्रद्धा भाव प्रकट करती हूँ जिनके असीम सहयोग एवं आषीवाद से मैं इस षोध कार्य को पूर्ण कर पायी। पांडुलिपि में मौजूद त्रुटियों के लिये गुरूजनों एवं विद्वतजनों से क्षमा प्रार्थी हूँ। म उन सभी सहयोग करने वालों से क्षमा प्रार्थी हूँ जिनका नाम मैं यहां अंकित नहीं कर सकी हूँ।

पारुल यादव